सीएसआर के अंतर्गत परियोजनाएं

रोबो शिक्षा केन्द्र

इस परियोजना का व्यापक लक्ष्य आज के युवाओं को 21 वीं शताब्दी की चुनौतियों और कल की नौकरी के लिए तैयार करना है।

रोबो शिक्षा केंद्र एक निश्चित सुविधा प्रयोगशाला है जो लेगो एजुकेशन रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है। लेगो मिंडस्टोरम प्लेटफार्म मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी, मीडिया लैब्स) में विकसित किया गया है और इसकी मॉड्यूलर डिज़ाइन प्लेटफार्म को बहुत लचीला और स्केलेबल बनाता है तथा शिक्षक और छात्र विकास और असीमित मॉडल विकसित करना जारी रख सकते हैं।

जिला प्रशासन गुरूग्राम और डीएलएफ फाउंडेशन के समर्थन से रोबो शिक्षा केंद्र 7 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे हैं। इंडिया एसटीईएम फाउंडेशन प्रति स्कूल 300 छात्रों के लिए प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और डीएलएफ फाउंडेशन कार्यक्रम के वार्षिक चलन लागत का खर्च का उठा रहा है।

सरकारी गर्ल्स कॉलेज, गुरुग्राम में गोल्डन जुबली ई-लर्निंग सेंटर

यह परियोजना जिला प्रशासन गुरूग्राम, डीएलएफ फाउंडेशन और रूरल शॉर्स स्किल अकादमी (आरएसए) के सहयोग से विकसित की गयी है।

इस ई-लर्निंग केंद्र में, छात्र अपने रुझान के आधार पर पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। एक बीकॉम छात्र एक ई-फाइनेंस कोर्स या अंतरराष्ट्रीय बाजार विश्लेषण कार्यक्रम और बीसीए या बीएससी का विकल्प चुन सकता है। छात्र सी और सी + + या साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम जैसे विभिन्न प्रोग्रामिंग भाषाओं को सीख सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को प्रसिद्ध लिपियोंजरिए अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों जैसे मिशिगन, क्वींसलैंड, क्युटू, हेवर्ड द्वारा ऑनलाइन पढ़ाया जाता है।

छात्र केंद्र में प्रशिक्षकों से सहायता पा सकते हैं। यहां तक कि जो छात्र कंप्यूटर में नए हैं, वे केंद्र को जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। उन्हें न केवल अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोज़र प्राप्त करने का मौका मिलता है बल्कि शिक्षा के डिजिटल माध्यमों का भी पता लगाया जाता है। वे महाविद्यालय के कदम से उत्साहित हैं और वे अपनी कक्षा से बाहर जाये बिना अंतरराष्ट्रीय प्रमाण पत्र प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

द 'बेंच' मार्क

शिक्षा सहायता के लिए सुविधाएं प्रदान करके वंचित बच्चों को समर्थन देने के लिए, निकन ने जिले के विभिन्न स्कूलों में 2600 लकड़ी के बेंच दान करने पर सहमति जताई है।

नेत्र देखभाल के माध्यम से शिक्षा - वे देखते हैं वे सीखते हैं

जिला प्रशासन गुरूग्राम ने सभी स्तरों पर छात्रों की देखभाल करने के लिए सरकारी विद्यालयों में नेत्र शिविरों की सुविधा प्रदान की है। जिला प्रशासन ने एसएबीआईसी के साथ सहयोग किया है जो 100 से अधिक विद्यालयों के साथ काम कर रहा है और 4000 से ज्यादा चश्मे वितरित है और 400,000 से अधिक छात्रों को की आंखों की जांच की गई है। सैबिक ने कुल 50000 छात्रों को कवर करने और जनवरी 18 तक चश्मा के वितरण शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

छात्रों और शिक्षकों के लिए यौन उत्पीड़न जागरूकता कार्यक्रम

जिला प्रशासन गुरग्राम यौन शोषण से व्यवस्थित रूप से निपटने की आवश्यकता को पहचानता है। इसने चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज (सीएसए) जागरूकता सत्र के संचालन के लिए स्कूल ऑफ़ लाइफ फाउंडेशन को संपर्क किया है। एसओएल गुरुग्राम में 38 सरकारी स्कूलों को कवर करेगी और चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज, सीएसए की रोकथाम, बाल सुरक्षा कानून आदि के बारे में सही शिक्षा प्रदान करेगी। पहले चरण में, इस अभियान में 34,000 छात्रों और 2,000 शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारी शामिल होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस कार्यक्रम में शिक्षक और छात्रों की कोर टीम को प्रशिक्षण के जरिए एक समर्थन प्रणाली स्थापित करने के लिए लगातार प्रयास बनाए रख सकते हैं।